पुणा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-IV

Hindi

Specimen

copy

Year- 2021-22

अनुक्रमणिका

क्रम	महीना	पाठ का नाम	लेखक का नाम
अध्याय १	अप्रेल /	➢ कविता : १ मन के भोले-भाले बादल ➢ व्याकरणःभाषा, वर्ण और शब्द ➢ लेखन विभागःनिबंध ➢ गतिविधियाँ	कल्पनाथ सिंह
अध्याय २	मई	➢ पाठ :२ जैसा सवाल वैसा जवाब ➢ व्याकरणःसंज्ञा ➢ लेखन विभागःपत्र लेखन ➢ गतिविधिया	
अध्याय ३	जुन	➢ पाठ :३ कीरमिच की गेंद ➢ व्याकरणःभाषा, सर्वनाम ➢ लेखन विभागःनिबध ➢ गतिविधिया	शांताकुमारी जैन
अध्याय ४	जुन	➢ कविता : ४ पापा जब बच्चे थे ➢ व्याकरणःभाषा, लिंग ➢ लेखन विभागःचित्र लेखन ➢ गतिविधिया	अलेक्सांद्र रस्किन
अध्याय ५	जुलाई	➢ पाठ :५ दोस्त की पोशाक ➢ व्याकरणःभाषा, वचन ➢ लेखन विभागःसंवाद लेखन ➢ गतिविधिया	
अध्याय ६	जुलाई	➢ कविता :६ नाव बनाओ नाव बनाओ ➢ व्याकरणःक्रिया ➢ लेखन विभागःनिबंध ➢ गतिविधिया	हरिकृष्णदास गुप्त
अध्याय ७	अगस्त	➢ पाठ :७ दान का हिसाब व्याकरणःभाषा, विशेषण ➢ लेखन विभागःचित्र लेखन ➢ गतिविधिया	सुकुकुमार

पाठ : १
मन के भोले-भाले बादल
लेखक : कल्पन सिंह

पाठ का सार : इस कविता में भिन्न-भिन्न प्रकार के बादलों का चित्रण किया गया है। कवि कहता है कि इन बादलों के बाल झब्बरदार हैं और गाल गुब्बारे जैसा है। कुछ बादल जोकर की तरह तोंद फुलाए हैं कुछ हाथी-से सँड़ उठाएं हैं। कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले हैं और कुछ बादलों में परियों-से पंख लगे हैं। ये सभी बादल आपस में टकराते रहते हैं और शेरों से मतवाले लगते हैं। कवि आगे कहता है कि कुछ बादल तूफानी हैं, और शैतान हैं। वे अपने थैलों से अचानक पानी बरसा देते हैं। ये बादल कभी किसी का कुछ नहीं सुनते हैं। रह-रहकर छत पर दिख जाते हैं और फिर तुरंत उड़ जाते हैं। कभी-कभी ये बादल जिद पर अड़ जाते हैं और इतना पानी बरसाते हैं कि नदी-नालों में बाढ़ आ जाती है। कवि कहता है कि इन सबके बावजूद ये बादल अच्छे लगते हैं। ये मन के भोले-भाले हैं।

कठिन शब्दः

- झब्बर
- आसमान
- जोकर
- परियों
- शैतानी
- ढोलक
- बादल
- नदी
- जिद्दी
- छत

शब्दार्थः

- तोंद- बढ़ा हुआ पेट
- कूबड़-उभरा हुआ हिस्सा
- मतवाले-मनमौजी
- भले-अच्छे
- जिद्दी-हठी

निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१-बादलों के किसके समान पंख लगे हुए हैं?
उत्तरः (क) चिड़िया के समान (ख) पक्षियो के समान
(ग) परियो के समान (घ) जोकर के समान

२-बादल के थैलों मे क्या है?
उत्तरः (क) पत्थर (ख) पानी
(ग) धुआँ (घ) ओस

३- बादल क्या बजाते है?
उत्तरः (क) ढोलक और ढोल (ख) मृदग और तबला
(ग) शहनाई और तानपूरा (घ) सितार और सारंगी

४-बादल कहाँ बाढ़ लाते है?

उत्तरः (क) नदी-नालों में (ख) घर मे

(ग) छत पर (घ) समुद्र मे

निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१-बादल झुम-झुम कर क्या कर रहे है?

उत्तरः बादल झुम-झुम कर काले बादल ला रहे है।

२-बादल किस प्रकार पानी बरसा रहे है?

उत्तरः बादल रिमझिम पानी बरसा रहे है।

३-बादल छत पर आने के बाद क्या कर रहे है?

उत्तरःबादल छत पर आने के बाद कभी सामने आ रहे है तो कभी उड़ जाते है।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१-बादल किस रूप ,रंग और आकार के है?

उत्तरः बादल जोकर-से तोंद फुलाए ,ऊँट-से कूबड़ वाले ,हाथी-से सूँड और परियों से पंख के आकार के है।

३-कविता म बादल की शेर से किस प्रकार तुलना की गई है?

उत्तरः जब बादल आपस में टकराते रहते हैं,तब शेर से तुलना की गई है।

४-बादलो को मन के भोले-भाले बादल क्यों कहा गया है?

उत्तरः कवि ने बादल की वर्णन करते हुए कहा है कि बादल कुछ भी करे किन्तु इन सब के बावजूद ये बादल बहुत अच्छे है ये मन के भोले भाले है।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-बादल किन-किन प्राणियों के समान प्रतीत हो रहे है?कविता मे उन प्राणियों की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई है?

उत्तरःबादल मे जोकर,ऊँट, हाथी और परियों के समान प्रतीत हो रहे है। कविता मे बादल जोकर-से तोंद फुलाए,ऊँट-से कूबड़ वाले,हाथी-से सूँड और परियों से पंख के आकार के है।

२-कविता मे बादल के किन-किन कार्यों का उल्लेख किया गया है?

उत्तरः कविता मे कुछ बादल रह-रह कर शैतानी कर रहे है, कुछ चूपके से अपने थैलो मे पानी भर रहे है, कुछ ढोल बजा रहे है, कुछ रह-रह के छत पर आ जाते है और कुछ जिद्दी बन कर नदी-नालों मे बाढ़ लाते हैं।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-बादल के गाल गुब्बारे जैसे है। (सही)

२-कुछ बादल बिना कूबड़ वाले ऊँटो जैसे दिख रहे है। (गलत)

३-बादल किसी की कुछ भी नही सुनते है। (सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१- बादल कभी-कभी जिद्दी बन जाते है।

२-बादल का मन भोला-भाला है।

३- कुछ बादल चूपके से अपने थैलो मे पानी भर रहे है।

४- बादल नदी-नालो में बाढ़ लाते है।

५- बादलों के परियों समान पंख लगे हुए है।

व्याकरण विभाग

भाषा, वर्ण और शब्द

भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों का आदान-प्रदान करते है।

भाषा दो प्रकार की होती है।

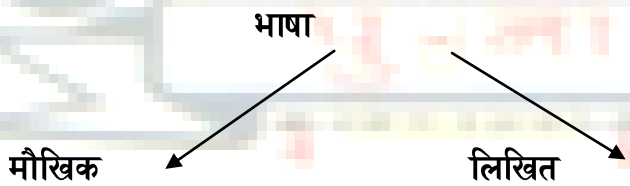

मौखिक भाषा : अपने विचारो को बोलकर व्यक्त करना **मौखिक भाषा** कहलाता है।

लिखित भाषा : अपने विचारो को लिखकर व्यक्त करना **लिखित भाषा** कहलाता है।

वर्ण : बोलते समय मुहँ से विभिन्न प्रकार की ध्वनियाँ निकलती है।जब ये ध्वनियाँ लिखी जाती है, तो उसे **वर्ण** कहते है। भाषा की सबसे छोटी ईकाई **वर्ण** कहलाती है।

जैसेः शहर- श + अ + ह + अ + र + अ

मुरगा- म + उ + र + अ + ग + आ

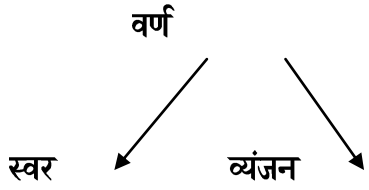

शब्द : वर्णो के सार्थक समूह को **शब्द** कहते है।
जैसे- नदी, कछुआ, गाँव, शहर, घर इत्यादी।

पर्यायवाची शब्द	विलोम शब्द
आँख-नेत्र, नयन, चक्षु	आशा×निराशा
सूर्य-सूरज, रवि, भानु	ज्ञान×अज्ञान
पृथ्वी-भू, अवनी, धरती	उदय×अस्त
पुत्र-बेटा, सुत, नंदन	दयालु×निर्दय
सुंगध-महक, खुशबू, गंध	क्षमा×दंड
इच्छा-चाह, कामना, अभिलाषा	मित्र×शत्रु
नदी-सरिता, तटनी	धनी×निर्धन
पेड़-तरु, वृक्ष, पादप	बहुत×थोड़ा

लेखन विभाग

अनुच्छेद गीष्म ऋतु

- ग्रीष्म ऋतु साल का सबसे गर्म मौसम होता है, जिसमें दिन के समय बाहर जाना काफी मुश्किल होता है।
- इस दौरान लोग आमतौर पर बाजार देर शाम या रात में जाते हैं
- बहुत से लोग गर्मियों में सुबह में टहलना पसंद करते हैं।
- इस मौसम में धूल से भरी हुई, शुष्क और गर्म हवा पूरे दिन भर चलती रहती है।
- कभी-कभी लोग अधिक गरमी के कारण हीट-स्ट्रोक, डीहाइड्रेशन पानी की कमी डायरिया, हैजा, और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से भी प्रभावित हो जाते हैं।
- गर्मी के मौसम के दौरान हमें आरामदायक सूती कपड़े पहनने चाहिए।
- हमें गर्मी की ऊष्मा से बचने के लिए ठंडे पदार्थों का सेवन करना चाहिए।
- हमें गरमी में पक्षियों को बचाने के लिए अपनी बॉलकनी या गलियारेज्ञ में थोड़ा सा पानी और कुछ चावल या अनाज के दाने रख देने चाहिए।
- गर्मियों के मौसम में ठंडक प्रदान करने वाले संसाधनों का प्रयोग करना चाहिए हालांकि, ग्लोबल वार्मिंग के बुरे प्रभावों को रोकने के लिए बिजली का प्रयोग कम करना चाहिए।
- दिन के दौरान, हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाव के लिए विशेष रुप से, सुबह से शाम तक बाहर नहीं जाना चाहिए।

- अपने आस-पास के क्षेत्रों में अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए और गर्मी को कम करने के लिए उन्हें नियमित रुप से पानी देना चाहिए।
- शरीर में पानी की कमी और लू लगने हीट स्ट्रोक से बचने के लिए बहुत सारा पानी पीना चाहिए।
- गर्मियों की छुट्टियों के दौरान गर्मियों का सामना करने के लिए पहाड़ी क्षेत्रों में जाना चाहिए।

प्रवृत्तिः बादल का चित्र बनाए ।

पाठ : २
जैसा सवाल वैसा जवाब

पाठ का सार :- बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। इस कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फंसाने के तरीके सोचते रहते थे। ख्वाजा सरा, जो अकबर के एक खास दरबारी थे, अपनी बुद्धि और विद्या के आगे बीरबल को निरा बालक और मूर्ख समझते थे। एक दिन उन्होंने बीरबल को मूर्ख साबित करने की ठान ली। बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न उन्होंने सोचा। उन्हें पूरा भरोसा था कि ऐसे प्रश्नों के उत्तरः बीरबल कभी नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह के सामने उनकी ख्वाजा सरा अहमियत बढ़ जाएगी।ख्वाजा सरा सीधे अकबर के पास पहुंचे। उन्हें तीन सवाल देकर उन्होंने कहा कि उनके जवाब बीरबल से पूछे ताकि उसके दिमाग की गहराई का पता चले। ख्वाजा के अनुरोध पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उनसे कहा कि परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तरः दे सकते हो? बीरबल तुरंत तैयार हो गए।

ख्वाजा का पहला प्रश्न था-संसार का केन्द्र कहाँ है? इसके जवाब में बीरबल ने तुरंत जमीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तरः दिया,यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचोंबीच पड़ता है। ख्वाजा का दूसरा प्रश्न था-आकाश में कितने तारे हैं? बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा कि इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे आकाश में हैं। बीरबल ने ख्वाजा साहब को चुनौती देते हुए कहा कि अगर उन्हें इसमें कुछ संदेह दिखाई पड़ता है तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर सकते हैं। उनका तीसरा सवाल था-संसार की आबादी कितनी है? बीरबल ने तपाक से जवाब दिया-जहाँपनाह संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हरपल लोगों का मरना-जीना लगा ही रहता है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाए तभी उनको गिनकर ठीक-ठीक संख्या बताई जा सकती है। ख्वाजा साहब बीरबल के उत्तर से संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने बीरबल से कहा कि ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा। बीरबल ने कहा कि ऐसे सवालों के ऐसे ही जवाब होते हैं। ख्वाजा साहब आगे कुछ नहीं बोले।

कठिन शब्द :-

- मंत्री
- बुद्धि
- मुश्किल
- मूर्ख
- प्रश्न
- विश्वास
- जहाँपनाह
- संतुष्ट
- आबादी
- संख्या

शब्दार्थ :-

- बादशाह - राजा
- तरीका - उपाय
- दरबारी - सभा का एकसदस्य
- मूर्ख - बेवकूफ़
- कोशिश - प्रयत्न
- धोखा देना- छल करना

- विश्वास - भरोसा
- ज़मीन - भूमि
- आकाश - नभ
- आबादी - जनसंख्या
- संतुष्ट - संतोष

निम्नलिखित प्रश्नों के वैकलिपक प्रश्न के उत्तर लिखिए।

१-बीरबल किसका पसंदीदा व्यक्ति था ?

उत्तरः **(क) बादशाह अकबर का** (ख) ख्वाजा सरा का
(ग) सभी दरबारी का (घ) इनमे से कोई नही

२-ख्वाजा सरा का अनुरोध सुनकर अकबरने किसे बुलाया?

उत्तरः (क) पुरोहित को (ख) **बीरबल**
(ग) संतरी को (घ) सभी दरबारियो को

३- ख्वाजा साहब के सवालों के जवाब देने के लिए भेड़ किसने मँगवाई थी?

उत्तरः **(क) अकबर ने** (ख) ख्वाजा न
(ग) महारानी (घ) राजवैध ने

४-अंत मे बीरबल ने किसे निरुत्तर कर दिया?

उत्तरः (क)ख्वाजा को **(ख) अकबर को**
(ग) दरबारियो को (घ) संतरी को

निम्नलिखित प्रश्नो के अतिलघु उत्तर लिखिए।

१- ख्वाजा सरा कौन था?

उत्तरः ख्वाजा सरा बादशाह अकबर का एक दरबारी था।

२- ख्वाजा सरा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए क्या किया?

उत्तरः ख्वाजा सरा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए कुछ मुश्किल प्रश्न सोचे।

३- ख्वाजा सरा अकबर के पास क्यों गया था?

उत्तरः ख्वाजा सरा अकबर के पास तीन सवालो के जवाब पूछने गया था।

निम्नलिखित प्रश्नो के लघु उत्तर लिखिए।

१-बीरबल ने प्रश्नों के गोलमाल जवाब क्यों दिए थे?

उत्तरः बीरबल ने प्रश्नों के गोलमाल जवाब इसलिए दिए क्योंकि वो ख्वाजा सरा का घमंड चुर

करना चाहता था।

२-कुछ दरबारी बीरबल से क्यों जलते थे?

उत्तरः बीरबल की बुद्धी के आगे बड़ों-बड़ों की भी कुछ नही चल पाता था ।इसलिए कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे।

३- अकबर के सामने भेड क्यों लाई थी?

उत्तरः अकबर के सामने भेड़ ख्वाजा को जवाब देने के लिए लाई गई थी,कि आकाश में कितने तारे है वह भेड़ के शरीर मे जितने बाल है उसे गिन ले।

निम्नलिखित प्रश्नो के दीर्घ उत्तर लिखिए।-

१-अकबर के सामने भेड़ क्यों लाई गई थी?

उत्तरः अकबर के सामने भेड इसलिए लाई क्यों की बीरबल ने ख्वाजा का दुसरा प्रश्न का जवाब भेड़ की मात्रा से उत्तर दिया।इसलिए भेड़ को बुलवाया गया।

२- ख्वाजा का अंतिम प्रश्न क्या था?बीरबल ने उसका क्या उत्तर दिया?

उत्तरः ख्वाजा का अंतिम प्रश्न था कि संसार की आबादी कितनी है।और बीरबल ने उत्तर दिया की सभी लोगो को एक इक्ठ्ठा किया जाए तब उनको गिनकर संसार की आबादी का पता लगा सकते है।

सही कथन पर सही और गलत पर गलत का निशान लगाए।

१-ख्वाजा सरा को विश्वास था कि बीरबल उसके प्रश्नों का ठीक-ठीक उत्तर नही दे पाएगा। (सही)

२-बीरबल ने "नकली अक्ल-बहादुर " का प्रयोग ख्वाजा सरा के लिए किया था। (गलत)

३-ख्वाजा सरा ने तीनों सवाल बीरबल को लिखकरबी दिए थे। (गलत)

४-बीरबल के उत्तरों से ख्वाजा सरा संतुष्ट न था। (सही)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

१-बीरबल की बुद्धी के सामने बड़े-बडो की कुछ नहीं चल पाती थी।

२-बीरबल ने पहले प्रश्न का उत्तर जमीन पर अपनी छड़ी गाड़कर दिया।

३-संसार में हर पल लोगों का मरना-जीना लगा रहता है।

४-बीरबल के उत्तर सुनकर बादशाह संतुष्ट था।

५-बीरबल के जवाबो को गलत साबित नही किया जा सका।

व्याकरण विभाग

संज्ञा

संज्ञा-किसी व्यकित ,प्राणी ,वस्तु ,स्थान ,भाव आदि के नाम को **संज्ञा** कहते है।

* नीचे कुछ संज्ञा शब्द दिए गए हैं

व्यकितयों के नाम	पशु-पक्षियों के नाम	वस्तुओं के नाम	स्थानों के नाम
बित्तो	खरगोश	बोतल	गाँव
किसान	घोड़ा	किताब	मैदान
पिता	कोयल	करेला	सड़क
धोबी	शेर	जूता	खेत
डाक्टँर	गौरैया	शीशा	नदी
नाई	बिल्ली	छतरी	बगीचा

संज्ञा के तीन भेद होते है।

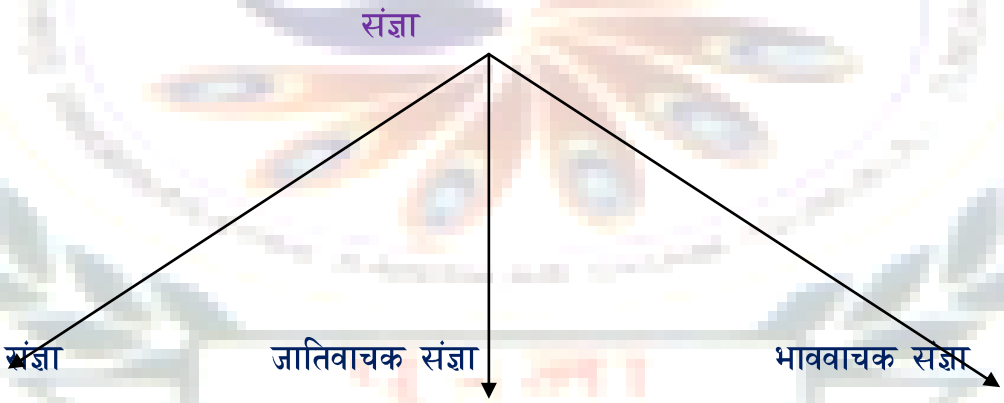

- **व्यकितवाचक संज्ञा**-किसी विशेष व्यक्ति ,वस्तु और स्थान के नाम की जानकारी देने वाले शब्द **व्यकितवाचक संज्ञा** कहलाते है।

जैसे- डॉ. राजेन्द प्रसाद भारत के गौरव थे।
गंगा एक पवित्र नदी है।

- **जातिवाचक संज्ञा**-जिन संज्ञा शब्दों से किसी जाति विशेष अथवा वर्ग की जानकारी प्राप्त हो उन्हे **जातिवाचक संज्ञा** कहते है।

जैसे-बाग में फूल खिले है।
शेर पिंजडे में है।

- भाववाचक संज्ञा-जिन संज्ञा शब्दों से गुण, दोष, दशा, अवस्था , भाव आदि की जानकारी मिले , उन्हे भाववाचक संज्ञा कहते है।

जैसे-सुधीर को सरदी लग गई है।
सज्जनता एक महान गुण है।

स्वाध्याय :निम्नलिखित वाक्यों नें संज्ञा और उनके प्रकार लिखिए।

१-वह कल रात को आया था। जातिवाचक संज्ञा
२-हिरन इधर-उधर दौड़ रहे थे। जातिवाचक संज्ञा
३-हिमालय पर्वत बहुत ऊचाँ है। व्यक्तिवाचक संज्ञा
४-आज बहुत गरमी है। भाववाचक संज्ञा
५-हम लोग अमेरिका मे रहते है। व्यक्तिवाचक संज्ञा
६-सेना आगे बढ़ रही है। जातिवाचक संज्ञा
७-लक्ष्मीबाई की वीरता जगत प्रसिसद्रध है। भाववाचक संज्ञा
८-बीरबल की चतुराई देखकर अकबर बहुत प्रसन्न हुए। भाववाचक संज्ञा
९-सोने की शुद्रता की परख जौहरी ही कर सकता है। भाववाचक संज्ञा
१०-मुझे बहुत भूख लगी है। भाववाचक संज्ञा

लेखन विभाग- पत्र लेखन

पत्र लिखने का तरीका :

प्रेषक का पता :

दिनांक :

संबोधन :

अभिवादन :

विषय - वस्तु :

प्रेषक का नाम :

पत्र के दो प्रकार होते है।

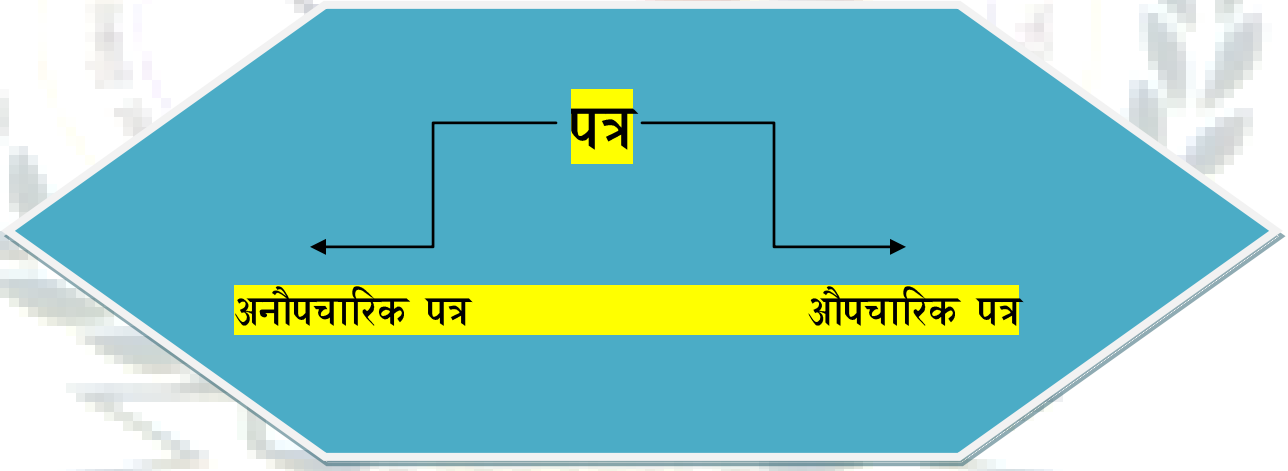

अनौपचारिक पत्र : अनौपचारिक पत्र संबंधियो व मित्रो को लिखे जाते है।

औपचारिक पत्र : औपचारिक पत्र को तीन वर्गो मे बाँटा जाता है।

- प्रार्थना - पत्र
- कार्यालयी - पत्र
- व्यावसायिक - पत्र

अनौपचारिक पत्र- मित्र को अपने जन्मदिन पर आमंत्रित करने हेतु पत्र।

७२, कंकड़बाग,
वीरप्रताप सोसायटी,
पटना।
२७, अप्रैल, २०२१
प्रिय राघव,
तुम्हे याद होगा कि ९ मई को मेरा जन्मदिन है।हर वर्ष की तरह इस बार भी मेरे माता-पिता जन्मदिन के अवसर पर पार्टी का अयोजन कर रहे है।मेरी हार्दिक इच्छा है कि तुम इस पार्टी मे शामिल होकर मुझे प्रसन्नता प्रदान करो।

इस बार केक काटने के साथ- साथ संध्या संगीत का भी आयोजन रखा गया है।पार्टी शाम को ६ बजे से शुरू होगी तो तुम्हे अपने परिवार के साथ आना है।मै तुम्हारा इंतजार करूँगा।

अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना और छोटी बहन को प्यार देना।

तुम्हारा मित्र
सागर